

प्रेषक,

कुँवर सिंह,  
अपर सचिव  
उत्तरांचल शासन ।

सेवा में,

प्रबन्ध निदेशक,  
उत्तरांचल पेयजल निगम,  
देहरादून ।

पेयजल अनुभाग

देहरादून दिनांक 15 जनवरी 2007

विषय:-वित्तीय वर्ष 2006-07 में नगरीय पेयजल योजनान्तर्गत नई टिहरी  
पम्पिंग पेयजल योजना की वितरण प्रणाली के रखरखाव हेतु  
वित्तीय स्वीकृति ।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या 2348/योजना रखरखाव/  
दिनांक 06.07.06 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि नई  
टिहरी पम्पिंग पेयजल योजना की वितरण प्रणाली के रखरखाव हेतु संलग्न  
बी0एम-15 में उल्लिखित विवरणानुसार अनुदानान्तर्गत उपलब्ध बचतों में  
व्यावर्तन के द्वारा चालू वित्तीय वर्ष 2006-07 में रु० 35.95 लाख (रु०  
पैंतीस लाख पचास हजार मात्र) की धनराशि के व्यय हेतु निम्न शर्तों के  
अधीन आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति  
प्रदान करते हैं ।

1- स्वीकृत धनराशि प्रबन्ध निदेशक, उत्तरांचल पेयजल संसाधन विकास  
एवं निर्माण निगम, देहरादून के हस्ताक्षर तथा जिलाधिकारी, देहरादून के  
प्रतिहस्ताक्षर युक्त बिल कोषागार देहरादून में प्रस्तुत करके, आवश्यकता-  
नुसार किरातों में आहरित की जायेगी तथा आहरण से सम्बन्धित वाउचर  
संख्या व दिनांक की सूचना महालेखाकार उत्तरांचल, देहरादून तथा शासन  
को तुरन्त उपलब्ध करा दी जायेगी ।

2- स्वीकृत धनराशि जिन निर्माण कार्यों पर व्यय की जायेगी उन कार्यों  
की लागत के सापेक्ष उ० प्र० शासन की वित्त (लेखा) अनुभाग-2 के  
शासनादेश सं०-ए-2-87(1) दस-97-17 (4)/75 दिनांक 27.02.1997 के  
अनुसार 12.5 प्रतिशत की धनराशि ही सैंटेज चार्ज के रूप में अनुगम्य  
होगी । धनराशि व्यय करने से पूर्व प्रबन्ध निदेशक, यह भी सुनिश्चित कर  
लेंगे कि अमुक कार्यों पर पूर्व में व्यय की गयी धनराशि को सामायोजित  
करते हुए सैंटेज चार्ज किसी भी दशा में 12.5 प्रतिशत से अधिक व्यय  
नहीं होगा । कृपया इसका कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कर लें ।

कमश..2.



- 3- उक्त स्वीकृत धनराशि का आवंटन सम्बन्धित योजना के कार्यों पर ही किया जायेगा तथा धनराशि के आवंटन की सूचना शासन को एक सप्ताह के भीतर उपलब्ध करा दी जाय। इसके अतिरिक्त कार्यों की मासिक/ त्रैमासिक वित्तीय/भौतिक प्रगति यथासमय शासन को उपलब्ध करा दी जाय। स्वीकृत धनराशि ऐसी योजनाओं पर कदापि व्यय न की जाय जिनके सम्बन्ध में तकनीकी स्वीकृति न हो अथवा जो विवादग्रस्त है। धन का उपयोग उन्ही योजनाओं पर किया जाय जिनके लिये स्वीकृति दी जा रही है। एक योजना की धनराशि दूसरी योजना पर कदापि व्यय न की जाय।
- 4- कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता हेतु सम्बन्धित अधिशारी अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
- 5- स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.03.2007 तक पूर्ण उपयोग कर उपयोगिता प्रमाणपत्र एवं कार्य की वित्तीय/ भौतिक प्रगति का विवरण शासन को प्रस्तुत किया जायेगा।
- 6- उक्त कार्य को इसी लागत में पूर्ण कर लिया जायेगा और इस पर विभाग या अन्य किसी कारण से लागत में कोई पुनरीक्षण अनुगन्ध नहीं होगा।
- 7- व्यय करने के पूर्व बजट मैनुअल फाईनेन्शियल हैण्डबुक नियमों, टेंडर एवं अन्य स्थायी आदेशों के अंतर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम अधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो, उसमें व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय। निर्माण कार्यों पर व्यय करने से पूर्व आगणनों पर सक्षम अधिकारी की प्राविधिक स्वीकृति भी अवश्य प्राप्त कर ली जाय।
- 8- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2006-07 में अनुदान सं०-13 के अंतर्गत लेखाशीर्षक 2215-जलापूर्ति तथा सफाई-01-जलपूर्ति-आयोजनागत-101-शहरी जलपूर्ति कार्यक्रम-05-नगरीय पेयजल-03-नगरीय पेयजल योजनाओं का पुनर्गठन, जीर्णोद्धार सुदृढीकरण हेतु अनुदान-20-सहायक अनुदान/ अंशदान /राज सहायता के नामे डाला जायेगा
- 9- यह आदेश वित्त विभाग की अशासकीय सं०- 1858/XXVII (2)/ 2006 दिनांक 14 दिसम्बर, 2006 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(कुँवर सिंह)  
अपर सचिव

संख्या- 2108 /उन्तीस(2)/05-2/(150पे0)/2006, तददिनांक

प्रतिलिपि-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तरांचल, देहरादून।
- 2- मण्डलायुक्त, गढ़वाल, पौड़ी।
- 3- जिलाधिकारी, देहरादून/टिहरी
- 4- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 5- मुख्य महाप्रबन्धक, उत्तरांचल जलसंस्थान देहरादून।
- 6- मुख्य अभियन्ता, गढ़वाल उत्तरांचल पेयजल निगम, पौड़ी।
- 7- वित्त अनुभाग-2/वित्त बजट सेल/नियोजन प्रकोष्ठ/राज्य योजना  
अयोग उत्तरांचल शासन।
- 8- निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री।।
- 9- स्टाफ ऑफिसर, मुख्य सचिव, उत्तरांचल शासन
- 9- निदेशक, सूचना एवं लोक सम्पर्क निदेशालय, देहरादून।
- ✓10- निदेशक एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून।

आज्ञा से

(नवीन सिंह तड़ागी)

उप सचिव



नियन्त्रक अधिकारी-प्रबन्ध निदेशक, उत्तराखल प्रयोजन निगम  
प्रशासनिक विभाग- प्रयोजन विभाग, उत्तराखल शासन ।

बी0एम0-15 पुर्नविनियोग-2005-06

आयुक्त

प्रविधान तथा सेवाशर्तक	मानक मद्धार अध्ययनिक स्थिति	वित्तीय वर्ष के अवधि अवधि अनुमानित व्यय	अवधि(सरलरत)	लेखाशर्तक जिसमें धनराशि स्वानामित किया जाना है	पुर्नविनियोग के बाद स्तर-5 की कुल धनराशि	पुर्नविनियोग के बाद स्तर-1 में अवधि धनराशि	अनुवित्त
1	2	3	4	5	6	7	8
2215-जलपूर्ति तथा सफाई				2215-जलपूर्ति तथा सफाई			(क) केन्द्र
02-मल निकासी एवं सफाई-आयोजनागत				01-जलपूर्ति-आयोजनागत			धनराशि
107-मल निकासी सेवाएं				101-शहरी जलपूर्ति कार्यक्रम			होने के त
01-केंद्रीय आयोजनागत / केन्द्र द्वारा पुरविधायित योजना ।				05- नगरपाल प्रयोजन			(ख) माहिर
05-नगरा कार्ययोजना (70 प्रतिशत-केंद्रगत)				03-नगरपाल प्रयोजन योजनाओं का पुर्नगठन / जीपीआर / तुल्यकारण हैतु अनुदान ।			आय-अवधि
अतिरिक्त कार्य ।				20-सहायक अनुदान / अनुदान / राज सहायता			अधिक
20-सहायक अनुदान / अनुदान / अनुदान / अनुदान							आवश्यक के कारण
योग-	51766		51766	3595	69195	48177	

प्रमाणित किया जाता है कि पुर्नविनियोग से बजट में अनुदान के परिवर्धन 150,151,155,156 में उत्तराखल सोमों का उत्तराखल नहीं होता है ।

(कुपर सिंह)  
अपर सचिव

2108 उत्तराखल शासन  
संख्या: (क) XXVII-(2) / 2006  
दिनांक: 15 जनवरी, 2007

पुर्नविनियोग स्वीकृत  
(डी0एम0सिंह)  
अपर सचिव

संख्या 2108 (क) / उत्तराखल / 08-2-(150 MB) / 2006, तब दिनांक  
निम्नलिखित को सूचनाएं एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित -  
1-जोषाधिकारी, देहरादून । 2-वित्त अनुभाग-2  
3-वित्त निदेशक, देहरादून ।

आज्ञा से  
(कुपर सिंह)  
अपर सचिव